इंडियन बैंक
Indian Bank
आपका प्रौद्योगिकी हितैषी बैंक

तेजेन्द्र मोहन भसीन

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

द्वारा

इमेज प्रेक्षागृह, राजा अण्णामलैपुरम, चेन्नै 600 028 में
28 जून 2013 को पूर्वाह्न 10.00 बजे आयोजित
सातवीं वार्षिक आम बैठक में
दिया गया भाषण

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का भाषण

प्रिय शेयरधारको,

मैं निदेशक मंडल की ओर से अपनी ओर से आपके बैंक की सातवीं वार्षिक आम बैठक में आप सबका हार्दिक स्वागत करता हूँ।

मुझे इस भव्य सभा को संबोधित करने में और 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए आपके बैंक का निष्पादन प्रस्तुत करने में अत्यंत हर्ष हो रहा है। मार्च 2013 को समाप्त अवधि के लिए निदेशकों की रिपोर्ट और लेखापरीक्षित अंतिम लेखे आपको दिए जा चुके हैं और आपकी सहमति से मैं मानता हूँ कि आपने उसे पढ लिया है।

आपको यह सूचित करने में मुझे हर्ष हो रहा है कि अधिकतर प्रमुख मापदंडों में आपके बैंक का निष्पादन अच्छा रहा है। आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) और कारोबार की तुलना में निवल लाभ में आपका बैंक राष्ट्रीयकृत बैंकों के बीच दूसरे स्थान पर है। कारोबार की तुलना में परिचालनगत लाभ में आपका बैंक चौथे स्थान पर है।

पूँजी की तुलना में जोखिम भारित आस्तियों का अनुपात आपके बैंक के लिए 13.8 प्रतिशत के अनुकूलतम स्तर पर है और राष्ट्रीयकृत बैंकों के बीच यह तीसरे स्थान पर है। आपके बैंक की स्वस्थ निवल मालियत के परिणामस्वरूप शेयरों का बही मूल्य 31 मार्च, 2012 के ₹ 214.94 रुपए से ₹ 242.89 रुपए तक बढ़ गया है।

इसके अतिरिक्त आपके बैंक को इस वर्ष में भी रेटिंग एजेन्सियों से अत्यंत सुदृढ रेटिंग प्राप्त हुआ है जोकि स्टैण्डर्ड एण्ड पुअर तथा फिच रेटिंग एजेन्सी के समनुरूप है।

देवियो और सज्जनो, 2012–13 में आपके बैंक के वित्तीय निष्पादन के विवरणों को प्रस्तुत करने से पहले, मैं हाल ही में वैश्विक और देशी, दोनों स्तरों पर हुए विकास, जो अर्थव्यवस्था और बैंकिंग सिस्टम पर प्रभाव डाल रहे हैं, को संक्षिप्त रूप से आपके समक्ष प्रस्तुत करना चाहूँगा।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

2012 में वैश्विक विकास मंद था और 2013 में भी मंद रहने की अपेक्षा की गई है। यूरो क्षेत्र में समर्थक नीतिगत कार्रवाई और यूएस में राजकोषीय संकुचन से निपटने के उपायों ने अधोगामी जोखिमों को कम कर दिया हैं, तथापि जोखिम बनी रही है। 2013 में कार्यकलापों का स्तर कमजोर जारी रहने की अपेक्षा है, क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्था में राजकोषीय समायोजन, उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) के विकास को भी मंद बना देगा। इसके साथ उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में बाहरी माँग के कम होने से ईएमई के विकास पर प्रतिकूल असर पडा है।

2013 में वैश्विक विकास 3.3 प्रतिशत पर मंद रहने की और 2014 में इसमें 4.0 प्रतिशत तक सुधार होने की अपेक्षा है।

भारतीय आर्थिक परिदृश्य

2012–13 के दौरान अधिकतर क्षेत्रों में मंदी के व्यापक रूप से फैल जाने के साथ–साथ विकास की धीमी गति, अनवरत मुद्रास्फीति और जुडवाँ घाटा जोखिम सामने आए। मंदी आंशिक रूप से वैश्विक तथ्यों के कारण रही, जहाँ कमजोर बाहरी मांग ने कार्यकलापों के स्तर को, खासकर विनिर्माण क्षेत्र को प्रभावित किया है। सेवा क्षेत्र के विकास में गिरावट ने, जो हाल की अवधि में उच्चतर विकास स्तर का आधार रहा है, समग्र आर्थिक कार्यकलापों की गति को धीमा कर दिया है।

औद्योगिक क्षेत्र के विकास ने वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान केवल 1.0 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंदी देखी, जो प्रमुख रूप से आधारभूत संरचना एवं निविष्टियों की कमी, बढती लागतें और बाहरी माँग में गिरावट के कारण थी। पूंजीगत माल और खनन क्षेत्र में संकुचन के कारण औद्योगिक क्षेत्र का समग्र निष्पादन प्रभावित हुआ।

अप्रैल 2013 में पिछले 41 महीने के दौरान अत्यधिक कम स्तर पर रहे 4.89 प्रतिशत के थोक मूल्य सूचकांक के साथ हालांकि वर्ष के अंत में मुद्रास्फीति में थोड़ा सा सुधार दिखा, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर मुद्रास्फीति अप्रैल 2013 में 9.39 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही जो खाद्य मुद्रास्फीति पर अत्यधिक दबाव को दर्शाता है।

2012–13 में भारत की निर्यात वृद्धि भी बाहरी माँग की मंदी के कारण काफी कम हुई है। निर्यात 1.8 प्रतिशत तक संकुचित हुआ है जब कि आयात 0.4 प्रतिशत तक बढ़ गया है जिससे व्यापार घाटा बढ गया है।

चालू खाता घाटे पर अनवरत दबाव, चिंता का मुख्य क्षेत्र रहा, जो वित्तीय वर्ष 2011–12 के सकल देशी उत्पाद के पहले से ही उच्चतर 4.1 प्रतिशत के चालू खाता घाटे की तुलना में वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में 5.4 प्रतिशत पर काफी अधिक था। चालू खाता घाटे से जीडीपी अनुपात 2012–13 के क्यू 3 में 6.7 प्रतिशत पर एक ऐतिहासिक ऊँचाई पर पहुँच गया। घटते निर्यात, कमजोर रुपया और अनिश्चित पूँजी अंतर–प्रवाह ने भी विदेशी कर्ज और असुरक्षित स्थिति को प्रभावित किया है।

बैंकिंग क्षेत्र, वित्तीय वर्ष 2012–13 में अर्थव्यवस्था में मंदी के कारण प्रभावित हुआ था जिसके परिणामस्वरूप जमा और ऋण दोनों की वृद्धि में कमी रही। वित्तीय वर्ष 2012–13 में जमा–वृद्धि और ऋण–वृद्धि कम होकर क्रमशः 14.3 प्रतिशत और 14.1 प्रतिशत पर रही जबकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा क्रमशः 15 प्रतिशत और 16 प्रतिशत की वृद्धि का संकेतात्मक अनुमान दिया था।

वृद्धि में गिरावट को ध्यान में लेते हुए, रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2012–13 में ब्याज दरों और एसएलआर को 100 बीपीएस से और सीआरआर अनुपात को 75 बीपीएस से कम किया है, तथापि वित्तीय वर्ष 2012–13 की अधिकांश अवधि में तरलता की स्थिति तंग रही।

आर्थिक एवं बैंकिंग परिदृश्य की उपर्युक्त पृष्ठभूमि में, मैं वित्तीय वर्ष 2012–13 के लिए आपके बैंक के निष्पादन को प्रस्तुत कर रहा हूँ।

कारोबार और वित्तीय उपलब्धियाँ

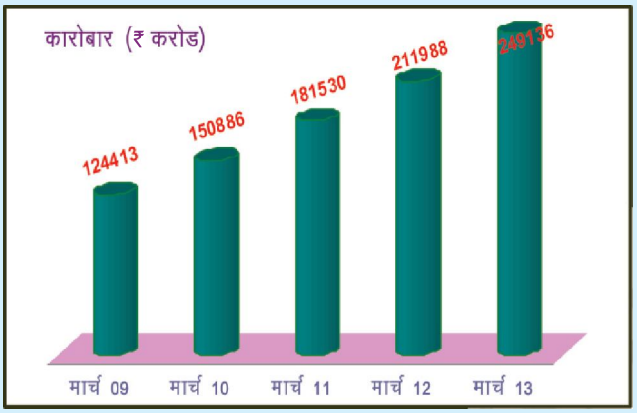

आपको यह जानकर खुशी होगी कि वर्ष के दौरान आपके बैंक के वैश्विक कारोबार में 17.52 प्रतिशत की बढत से यह ₹ 249,136 करोड तक पहुँच गया। जमाओं में ₹ 21,176 करोड की या 17.53 प्रतिशत की वृद्धि से यह ₹141,980 करोड हो गई, जबकि ऋणों में ₹15,972 करोड या 17.52 प्रतिशत की वृद्धि से यह ₹107,156 करोड तक पहुँच गया।

तुलन पत्र को स्वस्थ रखने की दृष्टि से, एनपीए के लिए व कर्मचारी संबंधित लाभों के लिए पर्याप्त प्रावधानीकरण किया गया है, जिससे लाभ प्रभावित हुआ है। वित्तीय वर्ष 2012–13 में आपके बैंक का परिचालनगत लाभ ₹ 3,061 करोड रहा, जबकि निवल लाभ ₹ 1,581 करोड रहा।

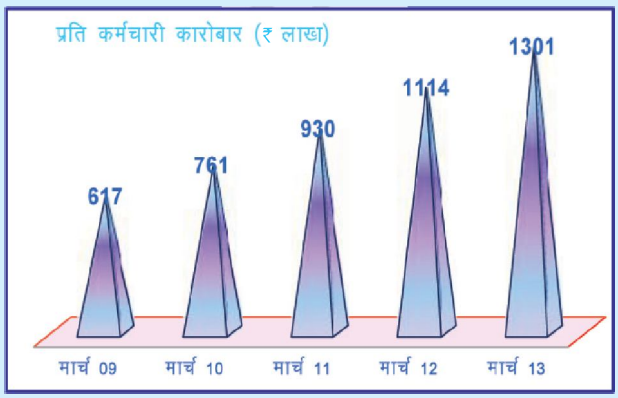

प्रति कर्मचारी व्यवसाय पिछले वर्ष के ₹1,114 लाख से बढकर ₹ 1,301 लाख हो गया है।
आस्तियों पर 1.02 प्रतिशत का प्रतिलाभ सार्वजनिक क्षेत्रक बैंकों में सर्वोत्तम बना रहा।
निवल ब्याज मार्जिन 3 प्रतिशत से ऊपर बना रहा और यह 3.09 प्रतिशत था।

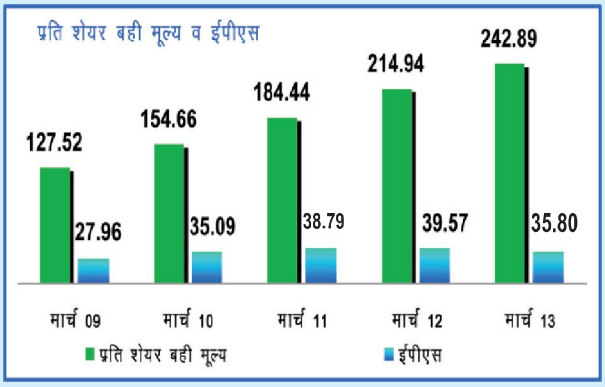

प्रति शेयर अर्जन (वार्षिकीकृत) और प्रति शेयर बही मूल्य क्रमशः 35.80 रुपए और 242.89 रुपए रहा। ईक्विटी पर प्रतिलाभ 14.89 प्रतिशत था।

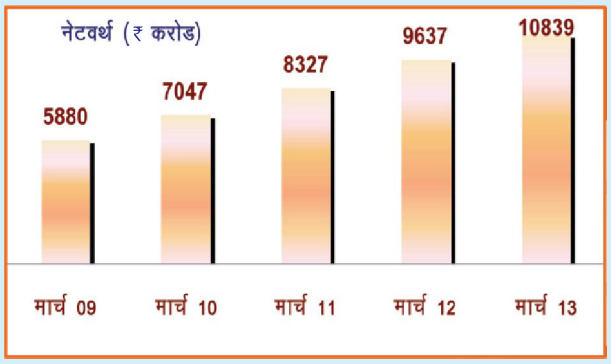

आपके बैंक की पूंजी में प्रचुर पर्याप्तता है। आपके बैंक की निवल मालियत में वृद्धि होकर यह ₹ 10,838.84 करोड हो गई है और बेसल ।। के अधीन पूँजी पर्याप्तता अनुपात 13.08 प्रतिशत था। (टियर । 10.88 प्रतिशत और टियर ।। 2.20 प्रतिशत थी)।

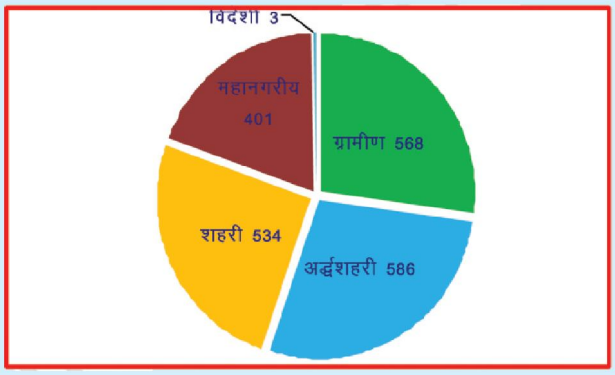

भारत भर में अपने नेटवर्क में विस्तार के लिए और अपर्याप्त बैंक सुविधावाले और बैंक रहित क्षेत्रों में पहुँचने के लिए बैंक ने चालू वर्ष में 143 शाखाएँ और 42 एटीएम खोलें जिससे सुपुर्दगी के प्वाइंट 2089 तक पहुँच गए और एटीएम की संख्या 1222 तक पहुँच गई।

आपके बैंक की सिंगापुर, श्रीलंका में कोलम्बो और जफना में अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति है।

आपके बैंक ने 31 मार्च 2013 को प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों के अधीन निर्धारित सभी मानदण्डों को हासिल किया जो समायोजित निवल बैंक ऋण का 42.1 प्रतिशत या ₹ 36,421 करोड रहा। कृषि उधार में ₹ 3646 करोड की वृद्धि से 31 मार्च 2013 को यह ₹ 17,001 करोड हो गया।

एसएमई क्षेत्र पर केन्द्रित ध्यान देने हेतु आपके बैंक की देशभर में 73 विशेषीकृत शाखाएँ हैं जोकि अनन्य रूप से एसएमई क्षेत्र को सेवाएँ देती हैं, एसएमई संविभाग में ₹ 3,588 करोड या 35 प्रतिशत की वृद्धि से यह ₹ 13,746 करोड हो गया।

वित्तीय समावेशन

- स्वयं सहायता समूहों के लिए विशेषीकृत उधार हेतु आपके बैंक की 45 माइक्रोसेट शाखाएँ हैं। इन शाखाओं ने वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान 23457 स्वयं सहायता समूहों को ₹ 590 करोड का ऋण वितरित किया है और मार्च 2013 के अंत में 56913 स्वयं सहायता समूहों को कवर करते हुए इसमें बकाया अग्रिम कुल ₹ 746 करोड रहा।
- 2000 से अधिक जनसंख्यावाले गाँवों में, जिन्हें वित्तीय समावेशन के अंतर्गत बीसी मॉडल के तहत कवर किया गया है, आपके बैंक ने 1418 अतिलघु शाखाएँ (यूएसबी) खोली हैं।
- वित्तीय समावेशन योजना के अधीन आपके बैंक ने निम्नानुसार विभिन्न सुपुर्दगी के चैनलों के जरिए 2000 से ज्यादा जनसंख्यावाले और 2000 से कम जनसंख्यावाले 3494 गाँवों में बैंकिंग सेवाएँ प्रदान की;
- स्मार्ट कार्ड आधारित कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) मॉडलों के जरिए 3380 गाँवों में
- पारंपरिक बैंकिंग शाखाओं के माध्याम से 26 गाँवों में
- बैंकिंग सेवा केन्द्रों के जरिए 34 गाँवों में और
- मोबाइल शाखा / वेन के जरिए 54 गाँवों में
- पुदुच्चेरी संघ राज्य क्षेत्र में, जहाँ आपका बैंक राज्य स्तरीय बैंकर समिति का संयोजक है, 2000 से अधिक आबादीवाले 42 गाँवों में और 2000 के कम आबादीवाले 25 गाँवों में सदस्य बैंकों द्वारा वित्तीय समावेशन योजना के अधीन विभिन्न सुपुर्दगी चैनलों के माध्यम से बैंकिंग सेवाएँ प्रदान की गई हैं।
- 43 प्रायोगिक जिलों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना (डीबीटी) के अधीन आपका बैंक आंध्रप्रदेश के चित्तूर जिले में अग्रणी बैंक है और पुदुच्चेरी संघ राज्य क्षेत्र में राज्य स्तरीय बैंकर समिति का संयोजक है। पुदुच्चेरी जिले में 13 योजनाओं के अधीन सभी 4249 लाभार्थियों के लिए खाते खोले गए हैं और चित्तूर जिले में 8 योजनाओं के अधीन सभी 1.29 लाख ग्राहकों के लिए खाते खोले गए हैं। कृष्णा और याणम जिलों में क्रमशः 5 योजनाओं के अधीन 1.07 लाख लाभार्थियों के और 3 योजनाओं के अधीन 753 लाभार्थियों के खाते खोले गए, जिसका ब्यौरा हमें प्राप्त हुआ है।

पुरस्कार एवं मान्यताएं

वर्तमान वर्ष के दौरान भी आपके बैंक के निष्पादन को मान्यता दी गई है और उसे कई आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें से उल्लेखनीय निम्नानुसार हैं :–

- आपका बैंक वर्ष 2012 के दौरान माइक्रो उद्यमों को ऋण प्रदान करने में प्रथम स्थान पर रहा है और उसको भारत के महामहिम राष्ट्रमपति ने अत्युत्तम निष्पादन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया।
- वित्तीय समावेश में प्रौद्योगिकी के अनुकरणीय प्रयोग के लिए स्कोच डिजिटल इन्क्लूशन अवार्ड 2012।
- स्कोच चैलंजर अवार्ड 2012 – बैंकिंग वित्तीय समावेश की विभिन्न पहलों के जरिए दूरदराज के गाँवों को बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में उत्तम योगदान के लिए।
- पुदुच्चेरी संघ राज्य क्षेत्र में 100 प्रतिशत वित्तीय समावेश को पूरा करने के लिए स्कोच वित्तीय समावेश अवार्ड 2012

- प्रशिक्षण और ई–शिक्षा में प्रौद्योगिकी के उत्तम प्रयोग के लिए आईबीए बैंकिंग प्रौद्योगिकी अवार्डस 2011 (द्वितीय रनर अप)
- सर्वश्रेष्ठ बैंक के लिए आउटलुक मनी अवार्ड 2012
- एनएफएस एटीएम परिचालनात्मक उत्कृष्टता अवार्ड 2012 – एनएफएस एटीएम नेटवर्क और स्विच संबद्ध एनएफएस एटीएम नेटवर्क के संबंध में उत्कृष्ट निष्पादन की पहचान के रूप में एनपीसीआई द्वारा गठित ''सार्वजनिक क्षेत्रक बैंक'' के संवर्ग में ''रनर–अप'' पुरस्कार।
- शीघ्रतम टर्नअराउंड हेतु न्यू इंडियन एक्सप्रेस द्वारा सन्डे स्टैंडर्ड ''फिनविज'' पुरस्कार – 2012
- मास्टर कार्ड इनोवेशन अवार्ड – प्रीपेड कार्ड प्रोग्राम : कार्पोरेट इकाइयों को लक्ष्य बनाकर नवोन्मेषी प्रीपेड कार्डों की बिक्री हेतु बैंक को पुरस्कार।

कुछ अवधि पहले की प्रशंसाएं

- बैंकर मैगज़ीन के अनुसार ''सर्वश्रेष्ठ आरओए'' के लिए शीर्ष 150 बैंकों में सूचीबद्ध।
- इकानामिक टाइम्स ब्रैण्ड ईक्विटी द्वारा ''सर्वश्रेष्ठ सेवा ब्रैण्ड'' के रूप में सार्वजनिक क्षेत्रक बैंकों में पाँचवाँ स्थान अधिनिर्णीत।
- हमारे कार्पोरेट कार्यालय भवन को आईएसओ 9001:2008 प्रमाणीकरण : आईएसओ प्रमाणीकरण पाने वाला भारत के सार्वजनिक क्षेत्रक बैंकों में प्रथम कार्पोरेट कार्यालय भवन।

नई पहलें

सुविधाजनक बैंकिंग को समर्थ बनाने के लिए अपने ग्राहकों और स्टेकधारकों को की गई प्रतिबद्धता के अंश के रूप में आपके बैंक ने इस वर्ष के दौरान कई नई पहलें भी की हैं :–

- एमएसएमई ऋणों के लिए आनलाइन आवेदन सुविधा।
- प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष कराधान के लिए ई–भुगतान इंटरफेस, पश्चिम बंगाल के लिए वाणिज्यिक करों की वसूली, महाराष्ट्र के लिए वर्चुअल ट्रेशरी पेमेंट, पुदुच्चेरी, कर्नाटक, उडीसा, आंध्रप्रदेश तथा तमिलनाडु के लिए सीएसटी वीएटी, तमिलनाडु आरटीओ शुल्क, तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बिल पेमेंट, आइसगेट साइट के जरिए मल्टी चालान सीमा शुल्क की अदायगी, व्यापार एवं कर विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार आदि के लिए सीएसटी और डीवीएटी की प्राप्ति समर्थित।
- बिलों के भुगतान के लिए 5000 से अधिक मर्चेंट – ब्रोकरों के साथ आनलाइन मर्चेंट पेमेंट गेटवे इंटरफेस।
- एसएमएस के माध्यम से तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बिल (टीएनइबी) का भुगतान।
- नेट बैंकिंग के जरिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत योजना को अंशदान समर्थित।
- मास्टर कार्ड ब्रैंड के अधीन आईबी प्रीपेड गिफ्ट कार्ड और आईबी प्रीपेड अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल कार्ड प्रवर्तित किए गए। पूर्व नियत मूल्यवर्गों में प्रीपेड गिफ्ट कार्ड बेचे जाते हैं और ग्राहकों को बिना किसी प्रभार के दिए जाते हैं। बैंक की सभी फॉरेक्स प्राधिकृत शाखाओं के माध्याम से प्रीपेड ट्रेवल कार्ड बेचे जाते हैं।
- नेट बैंकिंग के जरिए ई–टीडीए (इलेक्ट्रानिक सावधि जमा खाता) खोलना, जिन ग्राहकों को नेट बैंकिंग सुविधा प्राप्त है, वे नेट बैंकिंग के जरिए अपने खाते में तत्काल नामे करते हुए इलेक्ट्रानिक रूप से सावधि जमाएं (एफडी / एसटीडी / आरआईपी / आरडी) खोल सकते हैं।
- यूएई एक्स्चेंज से ऑनलाइन विप्रेषण सुविधा, जिससे हमारे ग्राहकों के खाते में तत्काल जमा समर्थ की जाती है।
- मल्टि यूटिलिटी भुगतान माडयूल के जरिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए आवेदन शुल्क की वसूली समर्थित।

भविष्य की ओर

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2013–14 चुनौतियों से युक्त होगा तथा अर्थव्यवस्था में थोड़ा सुधार भी प्रत्याशित है। वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण में अनिश्चितता की स्थिति बनी रही है और देशी अर्थव्यवस्था में पाई जानेवाली दोहरे घाटे और साथ ही लगातार मुद्रा स्फीति की स्थिति, जीडीपी में वृद्धि की मंद गति, सकल देशी बचतों में कम वृद्धि और धीमी गति के निवेश के वातावरण से बैंकिंग प्रणाली में विकास कम हो सकता है।

आभारोक्ति

मैं, निदेशक मंडल की ओर से एवं अपनी ओर से भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड को उनके मूल्यवान मार्गदर्शन और सहायता के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं वित्तीय संस्थानों और संपर्की बैंकों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ।

मैं अपने सभी ग्राहकों एवं शेयरधारकों को हम पर उनका विश्वास बनाए रखने के लिए तथा उनके अनवरत समर्थन के प्रति सराहना व्यक्त करता हूँ।

इस चुनौतीपूर्ण समय में बैंक की समग्र वृद्धि, विकास एवं उसके उत्कृष्ट निष्पादन हेतु, सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रदत्त समर्पित एवं प्रतिबद्धतापूर्ण सेवाओं के लिए, मैं निदेशक मंडल की ओर से, उनकी हार्दिक प्रशंसा करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

तेजेन्द्र मोहन भसीन

टी एम भसीन

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक